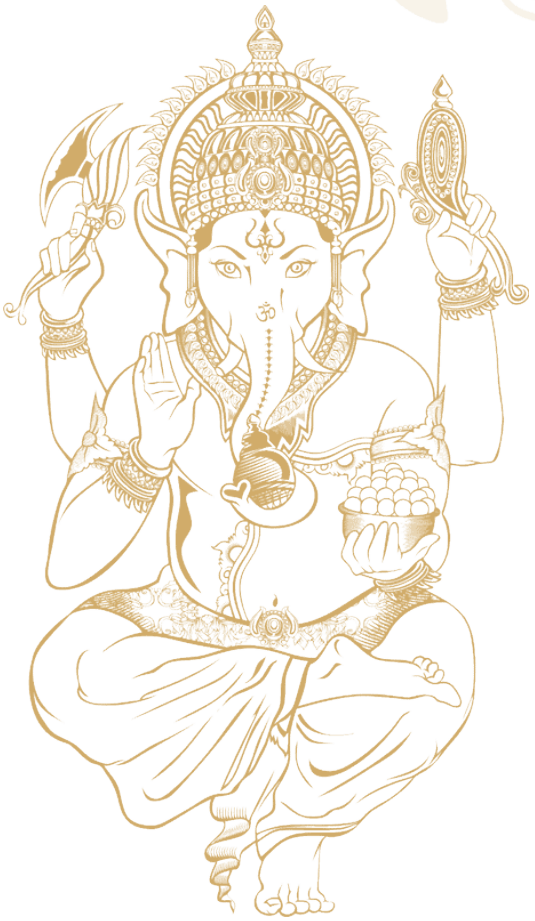

Mr.....

Ms.....

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/03/1999	जन्म तिथि	12-13/06/2001
मंगल-बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 04:05:00	जन्म समय	03:10:00 घंटे
घटी 53:17:09	जन्म समय(घटी)	54:27:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:08	सूर्योदय	05:22:49
18:21:04	सूर्यास्त	19:19:11
23:50:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 5मा 20दि	28:06:23	धनु	लग्न	मेष	21:20:06	राहु 7वर्ष 6मा 10दि
राहु	18:03:07	कुंभ	सूर्य	वृष	28:05:25	शनि
22/08/2023	25:41:06	सिंह	चंद्र	कुंभ	14:25:20	23/12/2024
22/08/2041	16:57:36	तुला	मंगल व	वृश्चि	29:09:37	24/12/2043
राहु 04/05/2026	06:08:46	मीन	बुध व	मिथु	03:35:42	शनि 27/12/2027
गुरु 27/09/2028	10:12:50	मीन	गुरु	वृष	29:16:01	बुध 05/09/2030
शनि 04/08/2031	17:18:35	मीन	शुक्र	मेष	12:23:13	केतु 15/10/2031
बुध 20/02/2034	06:20:30	मेष	शनि	वृष	12:51:03	शुक्र 14/12/2034
केतु 11/03/2035	28:16:37	कर्क व	राहु	मिथु	12:33:46	सूर्य 26/11/2035
शुक्र 11/03/2038	28:16:37	मक व	केतु	धनु	12:33:46	चन्द्र 27/06/2037
सूर्य 02/02/2039	20:33:14	मक	हर्ष व	कुंभ	00:53:02	मंगल 05/08/2038
चन्द्र 03/08/2040	09:25:40	मक	नेप व	मक	14:37:28	राहु 11/06/2041
मंगल 22/08/2041	16:37:11	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:49:25	गुरु 24/12/2043

लग्न-चलित

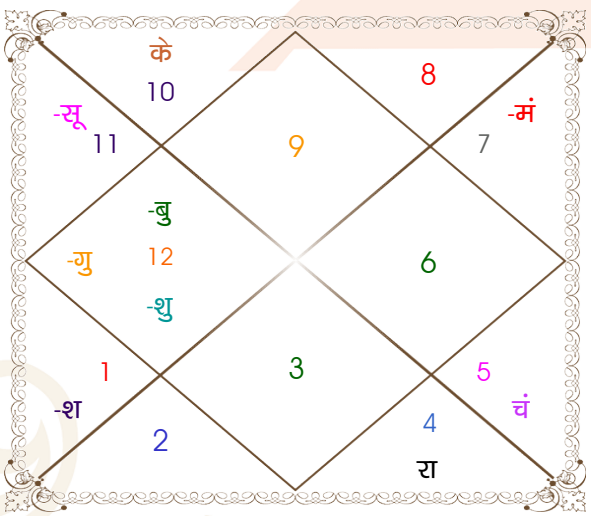

लग्न-चलित

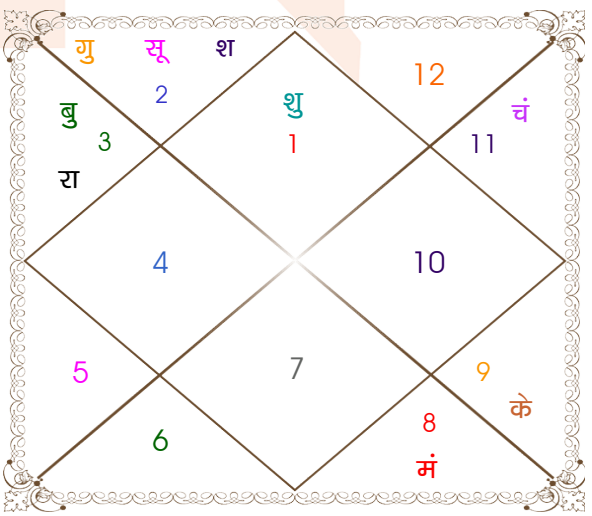

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr..... का वर्ग श्वान है तथा Ms..... का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr..... और Ms..... का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr..... मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms..... मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms..... कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr..... कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr..... कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr..... तथा Ms..... में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।